

सम्पादकीय महिलाओं की सहभागिता और योगदान

21वीं सदी का यह दौर मानवता के इतिहास में एक ऐसा समय है, जब दुनिया भर में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन तेजी से हो रहे हैं। ऐसे में जब भी बात महिलाओं के अधिकारों और उनके सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक सशक्तिकरण की होती है, तो वह एक ऐसी संघर्ष की कहानी बयां करता है, जो सदियों से चली आ रही है। विश्व के कई देशों में आज भी महिलाएं समानता, खंतत्रता और अपने मौलिक अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ रही हैं। अलवता इस वैश्विक संघर्ष के बीच भारत ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नई इड़ातां लिखी हैं और अनोखी पहचान बनाई है। इस लिहाज से भारत की चर्चा का खास महत्व है। महिलाओं की सहभागिता और योगदान ने यहां के पारंपरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक ताने—बाने को मजबूती दी है। मौजूदा संदर्भ में बात करें तो भारत का परिवर्त्य बदल चुका है। यह बदलाव केवल महिलाओं की रिश्तों में सुधार नहीं, बल्कि समाज और देश की प्रगति के लिए एक नये युग की शुरूआत का संकेत है। भारत में महिला सशक्तिकरण की कहानी केवल संघर्ष और चुनौतियों तक सीमित नहीं है। यह वह समय है, जब भारतीय महिलाएं परपरा और आनुष्ठितिका के संतुलन को साधते हुए अपनी पहचान को नये सिरे से गढ़ रही हैं। इस दौर में जब वैश्विकी संघर्ष के बीच भारत ने महिला सशक्तिकरण के लिए लड़ाई लड़ रही है।

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ—भतीजे में मतभेद की खबर आती रही है, जो बताते हैं कि भतीजे से अपनी शुरूआत के पक्ष में हैं। 2016 और 2021 में जीत यारी हेटक लाने वाली टीएमसी अपने घर थीक से नहीं चला पा रही है। ममता परिवार खाली की मुखिया है, तो अधिकार पार्टी के साथीय महासचिव और डायरेक्टर ने बाहर का कोशिका की है कि पार्टी में सर्वेसी के केवल वे ही हैं। टीएमसी को कुछ बड़ा बड़ा 'खेल' होने वाला है।

गत लोक सभा चर्चा में राज्य में मिलियां जीवन बांध रही हैं और अपनी तक सबे में अपना संसद बनजूत नहीं कर पाए हैं। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन एक अपनी महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है, बल्कि यह दिखाया है कि बदलाव संभव है। एक ऐसा ही उदाहरण है, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सार्वीय रखच गंगा मिशन (एनएमसीजी) का ऑल-विभेन राफिंग अभियान, जो एक प्रेरणादायक बदलाव का प्रतीक बनकर उभरा है। यह ऐतिहासिक पहले पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में महिलाओं की साहसिक दस्तक है, जो न केवल परंपराओं को बुनाई देती है, बल्कि नये आयाम भी गढ़ती है। उत्तराखण्ड के गंगोत्री से पश्चिम बंगाल के गंगा सागर तक 2,500 किलोमीटर की यात्रा न केवल साहसिक है, बल्कि प्रेरणादायक भी। यह अभियान उन्हें साहस, सामूहिकता और नेतृत्व की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ़ गंगा के प्रवाह को संरक्षित करना ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में उसकी पवित्रता और महत्व की लौ जलाना भी है।

गंगा, जो भारतीय जननान्स के लिए मात्र एक जलधारा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व का भी प्रतीक है। पर बीते दशकों में बढ़ते प्रदूषण और अतिरिक्त के कारण यह जीवनरेखा काफी चुनौतियों का सामना कर रही है। गंगा के किनारे रहने वाले हर नागरिक को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी छोटी-छोटी आदतें, जैसे प्लास्टिक का उपयोग बंद करना, गंगा के तरों की सफाई बनाए रखना और जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दोरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बर्से से समुदायों के साथ बातचीत की और उनके अधिकारों को बढ़ावा देती है। गंगा के विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कार्याकृति के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ़ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा क

एक नजर

अवैध शाराब के साथ एक गिरफ्तार

रुद्रप्रभाग। नगर निकाय चुनाव के दैशन एक व्यक्ति को निरसन किया है। पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम का सुसंगत धाराओं में अधियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की। जनपद पुलिस सर ने अवैध शाराब तकरीब के विरुद्ध सख्त अधिनियम चलाया जा रहा है। थाना अगस्तमुनि क्षेत्र के चौनी बसुकेदार पुलिस ने अंकित सिंह, निवासी ग्राम पाटियां, बड़ौद्ध, थाना अगस्तमुनि को अवैध अंग्रेजी शाराब के साथ निरसन किया है। जिसके विरुद्ध थाना अगस्तमुनि पर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अधियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

हरबर्टपुर में पूर्व मंत्री नवप्रभात ने भाजपा पर बोला हमला

विकासनगर। नगर पालिका हरबर्टपुर में खिलाफ को ग्रामप्रत्याशी को समर्थन में पूर्व मंत्री नवप्रभात ने प्रचार किया। एक चुनावी सभा के दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर हमला बोला। पूर्व मंत्री नवप्रभात ने कहा कि राजनीति की तौर पर बोले आठ साल में हरबर्टपुर और विकासनगर में कई भी अवश्यक विकास संबंधी कार्य नहीं हुए हैं। जबकि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में हरबर्टपुर और विकासनगर में इन्होंने अवश्यक विकास नहीं किया। इससे लोगों को रोजगार मिला। खांची भी बचा। जिन कामों के लिए देहरादून जाना पड़ता था वे विकासनगर के कांग्रेस शासन काल में हरबर्टपुर के जिस अस्तालाल के लिए जिला चिकित्सालय को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार और हरबर्टपुर की सीधेरंग योजना के लिए जेपायू आरपम का प्रोजेक्ट हेदरावाद भेजा गया था, लेकिन भाजपा सरकार ने उस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डालने के साथ ही सीधेरंग योजना से नगर को वर्चित कर दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि इन्होंने शहर में नहीं पेश कराया लान तो बिछाई जा रही है, लेकिन लानों में पानी मुहैया करने के लिए एक भी नया ट्यूबवेल नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों शासनों में कांग्रेस का बोर्ड हवार्टपुर से अध्यक्ष पद प्रत्याशी यामिनी रेहिला के पक्ष में मतदान की अधील है। इसी योगी पर नोरज रहित, कांग्रेस ने तंज काम किया। नगर अध्यक्ष अदीप पूर्णदत्त बिट, जिसके बाद रात न लगाकर सुपर व अन्य स्थलों पर लगाई जाए की शिकायतें मिल रही हैं।

निकाय चुनाव: संगीत की धून पर बह रही चुनावी बयार

• चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए बज रहे गढ़वाली गीत • वाहनों में लाउडस्पीकर लगाकर किया जा रहा प्रचार-प्रसार



कोटड्वार नगर निगम क्षेत्र में लोकधुनों पर पार्टी प्रत्याशी के प्रचार में लगा ई-रिक्षा

के माध्यम से अपने प्रचार को धार दें रहे हैं। विभिन्न वार्डों में चुनाव के प्रचार में लगे आदो व ई-रिक्षा में संगीत बज रहे हैं। वाहनों में लाउडस्पीकर प्रत्याशी के वारों को गिरवा रहे हैं। वहीं, प्रचार के मामले में वार्ड प्रत्याशी भी पूरी ताक जोकर रहे हैं। विभिन्न वार्डों के वारों के साथ ही वाहन व इंटरनेट पर प्रसारित कर मतदाताओं को दिखा रहे हैं। बदलता है, वर्ड कोई प्रत्याशी अपनी जीत का दंड रह रहा है।

नहीं, अधिकांश वार्डों में वाहनों के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। शहर में धून रहे वाहनों में लगे लाउडस्पीकर प्रत्याशी के वारों को गिरवा रहे हैं। वहीं, प्रचार के मामले में वार्ड प्रत्याशी भी पूरी ताक जोकर रहे हैं। विभिन्न वार्डों के वारों के साथ ही वाहन व इंटरनेट पर प्रसारित कर मतदाताओं को धार दिया जा रहा है। कहा जिंहे वार्ड कोटड्वार का विकास करना है तो भाजपा का जीतना जरूरी है।

भाजपा प्रत्याशी शैलेंद्र रावत ने भावर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का ध्वनि कर लाइव करने के बाद भी जनसभा ही पूरी तरह आवश्यक वाहन व इंटरनेट पर प्रसारित कर मतदाताओं को धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिया जा रहा है।

वाहनों में लाउडस्पीकर का धार दिय

